IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.67
Volume 5, Issue 3, January 2025

ग्रामीण महिलाओं के उत्थान में पंचायती राज की भूमिका

डॉ. गौरव मिश्रा

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, म.प्र.

शोध सारांश

भारत के संदर्भ में ग्रामीण विकास की प्रक्रिया आदिकाल से ही हमारे जीवन का अंग रही है। भारतीय मनीषियों ने इसे दर्शन और साधना के रूप में स्वीकार किया, यह चाहे कौटिल्य के समय का प्रजातंत्र हो या बाद के काल का राजतंत्र सभी काल में ग्रामीण जीवन की सुख सुविधा एवं सर्वांगीण विकास पर ही बल दिया गया है। भारत एशिया महाद्वीप में एक शक्तिशाली देश के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी आज भारत दुनिया भर में अपनी सर्वोच्चता सिद्ध कर रहा है। भारत गाँवों का देश है और जनगणना 2011 के अनुसार लगभग 83.34 करोड़ जनसंख्या गाँवों में निवास कर रही है। भारत की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित होने के कारण ही वर्तमान समय में चल रही आर्थिक मंदी का प्रभाव भारत पर उतना नहीं पड़ता, जितना अमेरिका ब्रिटेन आदि पश्चिमी देशों पर पड़ता. इसलिए भारत की प्रगति गाँवो पर ही निर्भर करती है और गाँवो का विकास किए बगेर हम भारत का विकास नहीं कर सकते। इस संदर्भ में गांधी जी ने कहा था कि यदि गाँव नष्ट होते हैं तो हिंदुस्तान भी नष्ट हो जाएगा।

मुख्य शब्दः– ग्रामीण महिला, उत्थान, परिवर्तन, पंचायती राज आदि।